जालंधर, शनिवार 08 जून 2024
JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH
+91 97814 00247

वंदे भारत 24
भारत के मन की बात

सुविचार

अन्याय में सहयोग देना, अन्याय के ही समान है!

@vandebharat24 vandebharat24news @vandebharat24news www.vandebharat24.com

AAP ने साथ छोड़ने का कर दिया ऐलान, कांग्रेस ने भी दिया वैसा ही जवाब

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की राहें अब अलग हो गईं हैं। लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को मिली हार के बाद अब दोस्ती खत्म करने का ऐलान कर दिया गया है। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव में अकेले उतरने की बात कही तो अब कांग्रेस की ओर से भी जवाब आ गया है।

कांग्रेस पार्टी ने भी 'आप' की तरह कहा है कि गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी की बात को ही दोहराते हुए कहा कि दोनों दलों का यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था। उन्होंने कहा, 'मैं साफ करना चाहता हूं कि हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। हम लगातार यह कहते आए हैं कि हमारा गठबंधन लोकसभा चुनाव तक सीमित था।

यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन बनाया गया था। देश के लोकतंत्र बचाने की लड़ाई में एक विचारधारा वाले लोग साथ आए।

देवेंद्र यादव ने यह भी कहा कि आप और कांग्रेस के गठबंधन को जनता ने स्वीकार किया और इसलिए वोट बढ़ गए। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में आम आदमी पार्टी भी हमारे साथ आई। हमने चुनाव लड़ा, अच्छे कोऑर्डिनेशन के साथ लड़ा। मुझे खुशी है कि लोगों ने स्वीकार भी किया। हमारा वोट फीसदी बढ़ा।' कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष की भूमिका निभाते हुए दिल्ली में वापसी की जाएगी। उन्होंने कहा, 'कल भी हमने चर्चा की अपने सीनियर्स से, अगले दो दिन भी हम साथियों से संपर्क में हैं। क्या कमियां रह गईं कि हम सीट नहीं जीत पाए, उन सभी चीजों पर चल रही है। हम कमियों को सुधारकर, मजबूत विपक्ष की भूमिक निभाते हुए दिल्ली में भी कांग्रेस को वापस लाएंगे।

इससे पहले गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर आम आदमी पार्टी की बैठक के बाद वरिष्ठ नेता और प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने ऐलान किया कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने जा रही है।

उन्होंने कहा कि गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था। आप और कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात सीटों पर साझा उम्मीदवार उतारे, लेकिन एक भी सीट पर जीत नहीं मिल सकी।

लोकसभा चुनाव के बाद राजा वड़िंग की बड़ी कार्रवाई, नवजोत सिद्धू को लगा बड़ा झटका

जालंधर (हिमांशु) : पंजाब की सक्रिय राजनीति से दूर चल रहे पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू को घेरने की तैयारी शुरू हो गई है। लोकसभा चुनाव में भी नवजोत सिद्धू पूरी तरह गायब रहे। इसके बाद उनसे एकमात्र पद भी ले लिया गया है। कांग्रेस ने अमृतसर संसदीय क्षेत्र की जिम्मेदारी नवजोत सिद्धू से लेकर पूर्व एम. पी. जसबीर सिंह डिंपा को सौंप दी है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने एक आदेश जारी करते हुए अमृतसर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी जसबीर सिंह डिंपा की घोषणा की है। अमृतसर ईस्ट सीट की बात करें तो यहां से नवजोत कौर सिद्धू और नवजोत सिंह सिद्धू दोनों पति-पत्नी विधायक रह चुके हैं।

अप्रैल में जारी हुए थे आदेश

जसबीर डिंपा को अमृतसर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाने के ये आदेश अप्रैल महीने में ही जारी कर दिए गए थे, लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण ये आदेश सार्वजनिक नहीं किए गए थे। बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की विधायक जीवनजोत कौर से हारने के बाद ही नवजोत सिद्धू ने खुद को विधानसभा क्षेत्र और राजनीति से दूर कर लिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी सिद्धू प्रचार करने नहीं आए जबकि स्टार प्रचारकों की सूची में उनका नाम तक नहीं लिखा गया।

संसद की सुरक्षा में सेध की बड़ी कोशिश नाकाम, तीन आरोपी गिरफ्तार

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : संसद की सुरक्षा में सेंध की बड़ी कोशिश को सुरक्षाबलों ने विफल कर दिया है। जानकारी के अनुसार फर्जी आधार कार्ड के जरिए तीन लोगों ने संसद भवन के भीतर घुसने की कोशिश की। ये तीनों मजदूर थे, जो संसद के भीतर घुसने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन सीआईएसएफ के जवानों ने उन्हें पकड़ लिया।

सीआईएसएफ ने बताया कि ये तीनों संसद भवन के गेट नंबर 3 से घुसने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन इन्हें पकड़ लिया गया है और पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस इन तीनों ही आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि तीनों ही आरोपियों की पहचान मोनिस, शोएब और कासिम के रुप में हुई है। तीनों के पास से फर्जी आधार पाया गया है। इनके खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है।

गौर करने वाली बात है कि ऐसा पहली बार नहीं है जब संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश हुई है। इससे पहले पिछले वर्ष दिसंबर माह में भी इस तरह की घटना सामने आई थी। 13 दिसंबर को दर्शक दीर्घा में बैठे दो लोग सदन के भीतर कूद गए थे। इन दोनों ने केन से पीले रंग का धुंआ फैलाया था।

जानकारी के अनुसार आरोपियों ने जानबूझकर साजिश के तहत फर्जी दस्तावेज तैयार किए और इसका इस्तेमाल संसद के भीतर जाने के लिए किया। जब संसद की सुरक्षा में लगी टीम ने इसकी जांच की तो पता चला कि ये दस्तावेज फर्जी हैं। जिसके बाद इन लोगों से पूछताछ की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

बताया जा रहा है कि यह मामला 4 जून का है। दोपहर को तकरीबन 1.30 बजे सीआईएसएफ के जवानों ने गेट नंबर 3 पर इन तीनों ही आरोपियों को फर्जी आधार कार्ड के साथ गिरफ्तार किया गया। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि इन लोगों की संसद के भीतर जाने की क्या मंशा थी।

HAKIM TILAK RAJ KAPOOR HOSPITAL PVT. LTD.
NEAR FOOTBALL CHOWK, JALANDHAR | Call/Whatsapp No. +91-95015-02525

आयुर्वेदिक एवं यूनानी दवाइयों तथा पंचकर्मा द्वारा हर बीमारी के सफल इलाज के लिए मिलें।
Dr. Nuvneet Kapoor
B.A.M.S., M.D (H.T.R.K.)
Ph.: 0181-5092525
Website : www.hakimtilakraj.in

S.T COLLEGE OF NURSING & MEDICAL SCIENCES
Recognized by INC, New Delhi, Affiliated by BFUHS, Faridkot & PNRC, Mohali Approved by Govt. of Punjab.
COURSES OFFERED
ANM 2 Years Diploma
GNM 3 Years Diploma
B.Sc (Nursing) 4 Years Degree
D-Pharmacy (Ay.) 2 Years & 3 Months Diploma
10+1 & 10+2 (P.S.E.B)
V.P.O. Mehlanwali, Una Road, Hoshiarpur Pb.
Contact : +91-62841-11519, +91-99145-82525
www.stnursinginstitute.in

पंजाब में समय से आएगा मानसून, जून के तीसरे सप्ताह में लेगा एंट्री... तब तक ऐसा रहेगा मौसम

जालंधर (नितिका) : इस बार मानसून के पंजाब में समय पर आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, उससे लग रहा है कि जून के तीसरे सप्ताह में मानसून पंजाब में पहुंच जाएगा।

20 जून के बाद प्रदेश में बारिश से बड़ी राहत मिलेगी। हालांकि उससे पहले भी प्री मानसून के तहत थोड़ी बहुत बारिश जारी रहेगी। अभी फिलहाल ओडिशा, आंध्र प्रदेश और दक्षिणी महाराष्ट्र में मानसून पहुंच चुका है।

तूफान से पंजाब में 6 हजार खंभे, 1200 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त, एक की मौत

पंजाब के 18 जिलों में आए तूफान ने सूबे को बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचाया है। तूफान के कारण गुल हुई बिजली शहरी क्षेत्र में करीब 13 घंटे बाद सुबह के समय, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में यह करीब 20 घंटे बाद दोपहर बाद ही सुचारू हो पाई। कटौती के संबंध में पावरकॉम को 20 घंटे में 1.50 लाख शिकायतें दर्ज करनी पड़ीं। वहीं, पटियाला में खंभे की चपेट में आने से एक पत्रकार की मौत हो गई, जबकि लुधियाना में तीन लोग घायल हो गए हैं।

पावरकॉम ने बताया कि बुधवार रात को आए तूफान के कारण 6,000 बिजली के खंभे, 1,200 ट्रांसफार्मर और 1,000 किलोमीटर तक तारें क्षतिग्रस्त हो गईं। इस कारण पूरे पंजाब में ही बिजली सप्लाई बाधित हुई, लेकिन ज्यादा प्रभाव साउथ व वेस्ट जोन के जिले पटियाला, संगरूर, बरनाला, रोपड़, फतेहगढ़ साहिब, लुधियाना, नवांशहर, बठिंडा, मानसा, फरीदकोट, फिरोजपुर व मुक्तसर में देखने को मिला। आंधी तूफान से बिजली सप्लाई ठप पड़ने का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दोपहर के वक्त पंजाब में जहां बिजली की मांग 14,500 मेगावाट दर्ज की गई थी, वहीं एकदम से गिरकर यह मात्र 2,700 मेगावाट रह गई।

घने कोहरे के दिनों में भी पंजाब में इतनी मांग दर्ज नहीं की गई थी। खंभों, ट्रांसफार्मर व तारों के क्षतिग्रस्त होने से पावरकॉम को भी 15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उधर लोगों को भी रातभर बिना बिजली के रहने पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि अतिरिक्त स्टाफ तैनात करके टूटे खंभों, ट्रांसफार्मरों व तारों को बदल कर वीरवार बाद दोपहर तीन बजे तक 98 फीसदी फीडरों से बिजली सप्लाई बहाल करा दी गई है। बाकी दो प्रतिशत की बहाली के लिए काम चल रहा है।

थर्मल प्लांटों के तीन यूनिट बंद

पंजाब सरकार की ओर से करोड़ों रुपये खर्च करके खरीदे गोइंदवाल थर्मल प्लांट की 270 मेगावाट की यूनिट फिर से तकनीकी खराबी के चलते बंद हो गई है। इसके साथ ही रोपड़ थर्मल प्लांट में भी 210 मेगावाट की पांच नंबर यूनिट ठप पड़ गई है। लहरा मुहब्बत थर्मल प्लांट की दो यूनिट पहले से ही तकनीकी खराबी के चलते बंद हैं।

पटियाला में तेज आंधी में खंभा गिरने से पत्रकार की मौत

पटियाला में बुधवार रात तेज आंधी तूफान के दौरान बिजली का खंभा सिर पर गिरने से एक न्यूज चैनल के पत्रकार अविनाश कंबोज की मौत हो गई। हादसे के बाद मंत्री बलबीर सिंह, आप विधायक अजीत पाल सिंह कोहली ने मृतक के एक सदस्य को नौकरी व 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का कहा है।

लुधियाना में तीन घायल, लगाने पड़े 50 टांके

लुधियाना के काकोवाल रोड पर एक मकान पर ईंट गिरने से सिमरन नाम की महिला घायल हो गई। उसके सिर में चोट आई है। जसपाल बांगड़ निवासी विशाल पर पेड़ के साथ बिजली की तारें भी गिरीं और करंट लगने से वह झुलस गए हैं। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जसपाल बांगड़ के ही रहने वाले मनोरंजन कुमार पर खंभा गिर गया, जिससे उनके होंठ पर बिजली की तार भी लगी। अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें करीब 50 टांके लगाए गए हैं। इनकी हालत भी गंभीर बनी हुई है।

फर्जी एनकाउंटर केस में पंजाब पुलिस के पूर्व डीआईजी को सात साल व डीएसपी को उम्र कैद

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : सीबीआई कोर्ट ने करीब तीन दशक पुराने फर्जी एनकांउटर मामले में पंजाब पुलिस के एक डीएसपी को उम्र कैद तो तत्कालीन डीआईजी को सात साल की सजा सुनाई है। अदालत ने गुरुवार को दोनों पूर्व अधिकारियों को दोषी करार दिया था, जिसके बाद शुक्रवार को फैसला सुनाया है।

सीबीआई कोर्ट का यह फैसला तब आया है, जब शिकायतकर्ता चमन लाल की मौत हो चुकी है। वर्ष 1996 में जंडियाला रोड अमृतसर निवासी चमन लाल की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। उन्होंने शिकायत में कहा था कि 22 जून 1993 को तत्कालीन डीएसपी दिलबाग सिंह के नेतृत्व में तरनतारन पुलिस की एक टीम उनके बेटे गुलशन को जबरन उठा ले गई। कुछ समय बाद उनके 2 बेटे प्रवीन कुमार और बॉबी कुमार को भी अपने साथ ले गए।

पुलिस ने प्रवीन और बॉबी कुमार को तो छोड़ दिया लेकिन गुलशन को रिहा नहीं किया। एक महीने बाद 22 जुलाई 1993 को फर्जी एनकाउंटर में गुलशन की हत्या कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बताए बिना उनके बेटे के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पिता चमन लाल के अनुसार गुलशन कुमार फल विक्रेता थे। हाई कोर्ट ने इस केस की जांच सीबीआई को सौंपी।

सीबीआई जांच के दौरान 32 गवाहों का हवाला दिया गया लेकिन 15 ही लोगों की गवाही हुई। मामले के शिकायतकर्ता चमन लाल की भी मौत हो चुकी है। सीबीआई के विधि अधिकारी अनमोल नारंग व शिकायतकर्ता के एडवोकेट सबरजीत सिंह वेरका ने एक निर्दोष सब्जी बेचने वाले की हत्या करने वालों को उम्रकैद की सजा मांगी थी। परिवार का कहना है कि गुलशन का आतंकवाद से कोई लेना देना नहीं था। इसके बावजूद उनके परिवार पर यह कलंक लगा। परिवार ने 30 साल से अधिक समय तक सहन किया। इस दौरान उनका घर पूरी तरह से बर्बाद हो गया।

आज मोहाली स्थित सीबीआई कोर्ट ने इस मामले में पंजाब पुलिस के पूर्व डीआईजी दिलबाग सिंह को 7 साल की सजा और सेवानिवृत्त डीएसपी गुरबचन सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

विधायक शेरोवालिया के भतीजे की कनाडा में सड़क हादसे में मौत, दोस्तों संग पहाड़ों में राइडिंग करने गया था

जालंधर (हर्ष शर्मा) : पंजाब के जालंधर में शाहकोट हलके से कांग्रेस विधायक लाडी शेरोवालिया के भतीजे की कनाडा में सड़क हादसे में मौत हो गई।

उनकी पहचान जसमेर सिंह के रूप में हुई है। जसमेर सिंह के पिता वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजमेर सिंह खालसा हैं, जिनकी शाहकोट और आसपास के इलाकों में अच्छी पकड़ है।

शाहकोट हलके के विधायक और जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरदेव सिंह उर्फ लाडी शेरोवालिया और अजमेर सिंह का परिवार सदमे में है।

मिली जानकारी के अनुसार जसमेर सिंह अपने एक दोस्त के साथ पहाड़ी इलाके में एटीवी राइडिंग के लिए कनाडा गए थे, जहां हादसे में उनकी मौत हो गई।

बाइक डिसबैलेंस होने से हुआ हादसा

शुगर मिल नकोदर के चेयरमैन अश्विंदर सिंह और मृतक के भाई संतोख सिंह खैरा ने बताया कि जसमेर सिंह अपने दूसरे दोस्त अमनदीप सिंह काहलों निवासी अमृतसर के साथ एटीवी राइडिंग के लिए पहाड़ों पर गए थे।

जब वह राइड के बाद वापस लौट रहे थे तो बाइक का संतुलन बिगड़ने से दोनों लोग 300 फीट गहरी खाई में गिर गए। दोनों युवकों को एयर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जसमेर सिंह को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल अमनदीप सिंह का इलाज शुरू कर दिया।

भारत में किया जाएगा जसमेर का संस्कार

परिवार के अनुसार जसमेर सिंह की पत्नी और बच्चे भारत आए थे और कनाडा लौटने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट पर मौजूद थे। तभी उन्हें जसमेर सिंह की दर्दनाक मौत की खबर मिली। उन्होंने कहा कि जसमेर सिंह का अंतिम संस्कार साहला नगर, मलसियां शाहकोट में होगा। जल्द जसमेर के शव को भारत लाने की तैयारियां की जा रही है। जिसके बाद उसका भारत में सिख रिती रिवाजों से पैतृक गांव में उसका संस्कार किया जाएगा।

क्या इस्तीफा देंगे केजरीवाल?

दिल्ली के सियासी संकट से जुड़े दो संकेत और एक बड़े दावे से समझें A TO Z

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : केंद्र में न आइएनडीआइ गठबंधन की सरकार बनी और न अदालत से अरविंद केजरीवाल को राहत मिली। दोनों तरफ से निराशा मिलने के बाद अब केजरीवाल के सामने दिल्ली में अपनी सरकार बचाने की चुनौती है।

इस बीच दिल्ली की सियासत पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। एक ओर जहां एलजी पहले ही कह चुके हैं कि वह जेल से सरकार नहीं चलने देंगे, वहीं अदालत से भी केजरीवाल को जमानत नहीं मिली। ऐसे में वह कब तक जेल से बाहर आएंगे कोई निश्चित नहीं है।

इस बीच दिल्ली में नया सियासी भूचाल आ सकता है, जिसे लेकर दो संकेत और एक बड़ा दावा सामने आ रहा है। हम जिन दो संकेतों की बात कर रहे हैं उसमें से पहला है दिल्ली के सीएम को जमानत न मिलना।

दूसरा संकेत है गुरुवार को सीएम आवास पर सुनीता केजरीवाल की अध्यक्षता में पहली बार कोई बैठक हुई। इस बैठक से भाजपा के उस दावे को बल मिलता है कि केजरीवाल इस्तीफा देकर पत्नी सुनीता को अपना उत्तराधिकारी बना सकते हैं।

क्या हैं वर्तमान हालात

गौरतलब है कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना स्पष्ट कर चुके हैं कि वह जेल से दिल्ली सरकार नहीं चलने देंगे। दिल्ली में संवैधानिक संकट जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर वह सख्त कदम उठाने के भी

संकेत दे चुके हैं। इससे आप सरकार के भविष्य को लेकर कयास लगने लगे हैं।

ईडी ने 21 मार्च को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद भी उन्होंने पद नहीं छोड़ा। आम आदमी पार्टी ने घोषणा की है कि केजरीवाल जेल से ही सरकार चलाएंगे। वहीं, भाजपा उनके इस्तीफे की मांग कर रही है।

दिल्ली का विकास बाधित हो रहा है-भाजपा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व अन्य नेताओं का कहना है कि मुख्यमंत्री के जेल में होने से दिल्ली का विकास बाधित हो रहा है। महापौर का चुनाव नहीं हो सका है। दिल्लीवासियों के हित में उन्हें अविलंब त्यागपत्र देकर किसी और विधायक को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए।

क्या कहते हैं दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव ओमेश सहगल का मानना है कि मुख्यमंत्री के जेल में होने से सामान्य प्रशासनिक कार्य पर कोई असर नहीं पड़ रहा है, परंतु बड़े निर्णय नहीं हो सकते। यदि लंबे समय तक वह जेल में रहेंगे तो निश्चित रूप से दिल्ली का विकास व अन्य कार्य बाधित होंगे। महत्वपूर्ण फाइलें मुख्यमंत्री की अनुशंसा से उपराज्यपाल के द्वारा पास की जाती है।

राजनीतिक जानकारों की क्या है राय

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि केजरीवाल को यह उम्मीद रही होगी कि केंद्र में आइएनडीआइ गठबंधन की सरकार बनेगी तो उन्हें राहत मिल जाएगी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। अदालत ने उन्हें अंतरिम जमानत देने से भी इनकार कर दिया है। इस कारण आने वाले दिनों में उनकी सरकार की परेशानी बढ़ेगी।

सरकार बचाने के लिए सौंपनी होगी किसी और को कुर्सी

आप सरकार को बचाने के लिए उन्हें त्यागपत्र देकर किसी और को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपनी होगी। उनके सामने दो विकल्प हैं, या तो वह अपनी पत्नी को अपना उत्तराधिकारी बनाएंगे या फिर अपने किसी विधायक को।

भाजपा यह आरोप लगाती रही है कि केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहते हैं।

इसके लिए वह पार्टी में सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं और इसे लेकर पार्टी में असंतोष भी है।

पति की अनुपस्थिति में सुनीता आईं फ्रंटफुट पर

पति के जेल जाने के बाद से सुनीता केजरीवाल राजनीति में सक्रिय हुई हैं। 31 मार्च को आइएनडीआइए की रामलीला मैदान में हुई रैली में उनकी राजनीतिक पारी की शुरुआत हुई थी।

पति की अनुपस्थिति में वह लोकसभा चुनाव प्रचार की कमान भी संभाल रही थीं। बृहस्पतिवार को सीएम की अनुपस्थिति में उनके आवास पर विधायकों की बैठक हुई। ऐसे में, भाजपा के आरोप को बल मिलता है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने लगाए ये आरोप

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा का कहना है कि परिवारवाद और भ्रष्टाचार का विरोध कर सत्ता तक पहुंचने वाले केजरीवाल की सच्चाई जनता के सामने आ गई है। भ्रष्टाचार के आरोप में वह जेल में हैं।

अपने बचाव के लिए वह उन लोगों की शरण में चले गए हैं जिन्हें कभी भ्रष्टाचारी और परिवारवाद बढ़ाने का आरोप लगाकर उनका विरोध करते थे। अब न उन्हें भ्रष्टाचार से परहेज है और न परिवारवाद से। यही कारण है कि भ्रष्टाचार में जेल जाने के बाद अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं। दिल्ली के हित में उन्हें अपने किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए।

चुनाव में आप की ड्रामेबाजी नहीं आई काम, इनका सब कुछ जल्द हो जाएगा खत्म- चन्नी

जालंधर(नितिका) : पंजाब के जालंधर लोकसभा सीट से सांसद चुने गए कांग्रेस उम्मीदवार चरणजीत सिंह चन्नी आज जालंधर पहुंचे. इस दौरान चन्नी ने क्षेत्र के लोगों से मुलाकात की और जनसमस्याओं के निस्तारण का भरोसा जताया.

चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि अभी उन्होंने सांसद के रूप में शपथ लेनी है और उसके बाद मुद्दों पर काम करना शुरू करेंगे. वह नशे के खिलाफ लड़ाई शुरू करेंगे और अवैध लॉटरी के कारोबार पर नकेल कसी जायेगी. पंजाब में आम आदमी पार्टी के चुनावी प्रदर्शन पर चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि ज्यादा देर ड्रामेबाजी नहीं चलती.

आने वाले दिनों में इनका सब कुछ खत्म हो जाएगा. कितनी देर आप लोगों का बातों से पेट भरते रहेंगे. आखिरकार तो आपको मुद्दों पर आना ही पड़ेगा. उन्होंने कहा कि मान सरकार के पास कोई कोई मुद्दा नहीं है. दो साल में उन्होंने कुछ किया नहीं है और लोग उनसे परेशान हैं और लोगों ने इस बार इनको दिखा दिया है. वहीं कंगना रनौत मामले में उन्होंने कहा की वह इस मामले पर कुछ नहीं बोलना चाहते.

बता दें कि पंजाब में आम आदमी पार्टी से समझौता नहीं करना कांग्रेस के लिए फायदेमंद हुआ. हालांकि कांग्रेस को इस बार पिछली बार से एक सीट का नुकसान हुआ है. कांग्रेस यहां से सात सीट जीत कर बढ़त बनाने में कामयाब रही है.

10वीं बार बिहार के हिस्से मे आएगा रेल मंत्रालय, पिता की तरह चिराग भी दौड़ाएंगे रेल!

जालंधर(हिमांशु) : लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद दिल्ली में सरकार बनाने के कवायदें चल रही हैं। एनडीए के संसदीय दलों की बैठक हो चुकी है। इस बीच नरेन्द्र मोदी 3.0 सरकार में मंत्रालयों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि रेल मंत्रालय एक बार फिर से बिहार के खाते में जा सकता है! शुक्रवार को संविधान सदन (पुराने संसद भवन) में एनडीए संसदीय दल की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में पीएम मोदी को तीसरी बार संसदीय दल का नेता चुन लिया गया।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा तो वहीं नितिन गडकरी ने उस प्रस्ताव का अनुमोदन किया। इसके बाद सर्वसम्मति से नरेन्द्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। बैठक के बाद एनडीए के सभी घटक दलों के प्रमुखों ने राष्ट्रपति भवन पहुंचकर समर्थन पत्र भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपा है।

चिराग पासवान ने किया दावा!

नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की पुष्टि के बाद सियासी फिजाओं में केन्द्रीय मंत्रालयों को लेकर भी चर्चाएं तैरने लगी हैं। कहा जा रहा है कि पिता रामविलास पासवान की तरह चिराग पासवान भी रेल दौड़ा सकते हैं। सूत्रों के हवाले से ख़बर तो यह भी है कि चिराग पासवान ने रेल मंत्रालय के लिए दावा भी ठोंक दिया है!

रामविलास पासवान भी थे रेल मंत्री

1996 से 1998 के बीच एचडी देवगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल के कार्यकाल में चिराग पासवान के पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक राम विलास पासवान रेल मंत्रालय संभाल चुके हैं। दीगर ये है कि चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने कोटे की सभी 5 सीटें जीतने मे कामयाब रही है। ऐसे में उन्हें ईनाम मिलना तय माना जा रहा है।

9 बार बिहार ने दोड़ाई है रेल

जानकारी के लिए आपको बता दें कि देश में पहले चुनाव से लेकर अब तक 9 बार रेल मंत्रालय बिहार के हिस्से आ चुका है। जिसमें 1962 में बाबू जगजीवन राम, 1969 में राम सुभग सिंह, 1973 में ललित नारायण मिश्र, 1982 में केदार पांडेय, 1989 में जॉर्ज फर्नांडीस, 1996 में रामविलास पासवान, 1998 व 2001 में नीतीश कुमार और 2004 में लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री रह चुके हैं। इस बार भी यदि रेल मंत्रालय बिहार के हिस्से में आता है तो यह संख्या दहाई में पहुंच जाएगी।

मोदी मंत्रिमंडल में इन 11 चेहरों को मिल सकती है जगह महिला सांसदों में इनकी लग सकती है लॉटरी

जालंधर (हर्ष शर्मा) :

1. बांसुरी स्वराज : पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी सोमनाथ का मात देकर सांसद चुनी गई हैं।

चर्चा है कि नई दिल?ली से पहली बार सांसद चुनकर संसद पहुंचने वाली बांसुरी स्वराज को मोदी के नए मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है।

2. लता वानखेड़े : मध्यप्रदेश की सागर लोकसभा सीट से कांग्रेस के चंद्रभूषण सिंह बुंदेला उर्फ गुड्डू राजा को 4.71 लाख से ज्यादा वोट से मात देने वाली डॉ. लता वानखेड़े के नाम पर सुगबुगाहट है। डॉ. लता सागर सीट से दूसरी महिला चुनी गई हैं। लता वानखेड़े ने अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र और पत्रकारिता विषय से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। इतना ही नहीं उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक उत्थान में पत्रकारिता की भूमिका पर पीएचडी भी की।

डॉ. लता ने साल 1995 में राजनीति में कदम रखा। 1995 में ग्राम पंचायत मकरोनिया बुजुर्ग (अब मकरोनिया नगर पालिका है) से पंच का चुनाव लड़ा था और जीती थीं। पांच साल पंच रहने के बाद साल 2000 में मकरोनिया बुजुर्ग ग्राम पंचायत से सरपंच का चुनाव लड़ा और यहां भी जीतीं। इसके बाद वह लगातार 2015 तक सरपंच रहीं। सरपंच पद पर रहते हुए वह तीन बार त्रिस्तरीय पंचायती राज्य महासंघ की प्रदेश अध्यक्ष भी रहीं। मौजूदा वक्त में वह भाजपा में प्रदेश मंत्री, जिला विदिशा भाजपा की संगठन मंत्री का पद संभाल रही हैं।

3. सावित्री ठाकुर : मध्यप्रदेश की धार लोकसभा सीट से दूसरी बार सांसद चुनी गई भाजपा नेता सावित्री ठाकुर के नाम पर भी चर्चा जारी है। सावित्री ने कांग्रेस प्रत्याशी राधेश्याम मुवेल को 2 लाख 18 हजार वोट से हराया है। इससे पहले वह 2014 में भी इस सीट से चुनकर संसद पहुंची थीं। 2019 में उन?हें टिकट नहीं दिया था।

अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाली सावित्री ठाकुर की पहचान उन नेताओं के तौर पर होती है, जिन्होंने अपने बलबूते समाज और राजनीति में पहचान बनाई।

लोकसभा चुनाव लड़ने से पहले साल 2004 से 2009 के बीच जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले सावित्री एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर काम करती थीं।

मोदी मंत्रिमंडल के ये हो सकते हैं नए चेहरे

1. शिवराज सिंह चौहान : विदिशा लोकसभा सीट से बंपर जीत हासिल करने वाले शिवराज सिंह चौहान मोदी के मंत्रिमंडल Cabinet बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। शिवराज सिंह चौहान 1991 में पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। चार बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में जीतने के बाद भी सीएम पद नहीं मिला। फिर भी उन्होंने लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए जमकर प्रचार किया। कई सभाएं कीं। वह प्रदेश का लोकप्रिय चेहरा हैं।

नरेंद्र मोदी ने हरदा में सभा को संबोधित करते हुए कहा भी था, संगठन में मैंने और शिवराज सिंह चौहान ने साथ काम किया। उस वक्त हम दोनों सीएम थे। जब वे संसद गए तो वहां भी मैंने महामंत्री के नाते साथ काम किया। अब फिर मैं उनको दिल्ली ले जाना चाहता हूं।

2. वीडी शर्मा : वीडी शर्मा मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं। इनके अध्यक्ष रहते हुए पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 163 सीटें जीतीं थीं। अब पार्टी ने लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश में क्लीन स्वीप किया है। मोदी ने दमोह में एक सभा को संबोधित करते वीडी शर्मा के कामकाज की तारीफ भी की थी। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि वीडी शर्मा भी मंत्रिमंडल का चेहरा बन सकते हैं।

3. नित्यानंद राय : बिहार से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने वाले भाजपा सांसद नित्यानंद राय को मोदी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। राय छात्र जीवन से ही आरएसएस और फिर एबीवीपी में खासा सक्रिय रहे। इसके बाद साल 2000 से लगातार चार बार हाजीपुर से चुनकर विधानसभा पहुंचे। नित्यानंद राय साल 2014 से लगातार सांसद हैं। नित्यानंद राय को अमित शाह का भरोसेमंद माना जाता है।

4. जनार्दन सिंह सिग्रीवाल : बिहार की महाराजगंज लोकसभा सीट से एक लाख से अधिक वोटों से जीतकर आए जनार्दन सिंह सिग्रीवाल भी मोदी के मंत्रिमंडल का हिस्सा हो सकते हैं। लगातार तीसरी बार चुनकर संसद पहुंचने वाले जनार्दन बिहार भाजपा में राजपूत चेहरा हैं। इसके साथ ही उन्हें भाजपा का वफादार सिपाही माना जाता है।

5. ललन सिंह : मुंगेर लोकसभा सीट से राजद प्रत्याशी अनिता कुमार को 80 हजार वोटों से मात देकर चौथी बार संसद पहुंचने वाले जदयू नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। जेपी आंदोलन से राजनीति में कदम रखने वाले ललन सिंह को जदूय का दिग्गज नेता माना जाता है। वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं और नीतीश के करीबी हैं।

6. जीतन राम मांझी : बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और गया से एक लाख वोटों से चुनाव जीतने वाले हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के नेता जीतन राम मांझी के नाम पर भी चर्चा है। मांझी एनडीए NDA गठबंधन के दल नेता हैं।

7. चिराग पासवान : लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान को भी मोदी के मंत्रिमंडल में अहम पद मिल सकता है। लोजपा के सुप्रीमो चिराग पासवान ने इस बार हाजीपुर से चुनाव जीता है। उनकी पार्टी से पांच प्रत्याशी मैदान में उतरे थे और पांचों चुनाव जीत गए हैं। चिराग 2014 से लगातार तीसरी बार चुनाव जीते हैं। कहा जा रहा है कि चिराग को मोदी के हनुमान बनने का लाभ मिलेगा।

8. जयंत चौधरी : एनडीए के सहयोगी दल रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। चुनाव से ठीक पहले जयंत चौधरी एनडीए में शामिल हुए। यूपी में दो सीटों पर उनके प्रत्याशी उतारे और दोनों ही जीत गए। जयंत पश्चिमी यूपी से आते हैं, उन्हें जाट और किसान नेता माना जाता है। इस बार भाजपा का जाट चेहरा माने जाने वाले केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान चुनाव हार गए। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा इस समुदाय को साधने के लिए जयंत को मंत्री बना सकती है।

क्या NDA के इन चेहरों को भी मिलेगी मंत्रिमंडल में जगह

- **मध्यप्रदेश :** फग्गन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार खटीक।
- **बिहार :** विवेक ठाकुर , ठाकुर जी प्रसाद, उपेंद्र कुशवाहा, संजय झा और डॉ. संजय जयसवाल।
- **उत्तर प्रदेश :** डॉ. महेश शर्मा, जितिन प्रसाद, सत्यपाल सिंह बघेल और डॉ. विनोद कुमार बिंद।
- **छत्तीसगढ़ :** विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल और संतोष पांडेय।
- **झारखंड :** निशिकांत दुबे, अन्नपूर्णा देवी, विद्युत वरण महतो और संजय सेठ।
- **हरियाणा :** मनोहर लाल खट्टर, चौधरी धर्मबीर।

एक्शन मोड में CM Mann

सभी जिलों के DCs से मांगी 'राशन कार्ड' की रिपोर्ट

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनावों के नतीजों के बाद पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। सी.एम. द्वारा आज आज खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और राशन कार्ड के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की।

इस दौरा उन्होंने कहा कि चुनावों के समय कुछ अफवाहे फैलाई गई थी कि राशन कार्ड काटे गए हैं, परन्तु सरकार ने कोई भी राशन कार्ड नहीं काटा है। इस दौरान सी.एम. मान ने सभी जिलों के डी.सी. से रिपोर्ट भी मांगी है।

इस आज हुई इस मीटिंग को लेकर एक सोशल मीडिया ट्वीट भी शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि, आज खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और राशन कार्ड के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की...चुनाव के दौरान राशन कार्ड काटने की कुछ अफवाहें फैलाई गई थीं...लेकिन सरकार ने राशन में कोई कटौती नहीं की...सभी जिलों के डीसी से भी रिपोर्ट मांगी गई है...।

घर में घुसकर युवक की बेरहमी से हत्या, परिवार में मचा कोहराम

जालंधर(नितिका) : नाभा ब्लॉक के गांव दंतराला खरोड़ में घर में घुस कर युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान जगदेव सिंह उर्फ गोरी (उम्र 32 साल) के रूप में हुई है। मृतक जगदेव सिंह उर्फ गोरा की घर के अंदर अज्ञात लोगों ने तेजधार हथियारों से हत्या की है।

हत्या को रात में अज्ञात लोगों ने अंजाम दिया। सुबह जब परिजनों ने अपने बेटे का खून से लथपथ शव देखा तो उनके होश उड़ गए। इस संबंध में भादसों थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पुलिस इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए हर पहलू से जांच कर रही है।

इस मौके पर मृतक जगदेव सिंह के रिश्तेदार गोरा सिंह और जरनैल सिंह ने कहा कि हमें नहीं पता कि हमारे बेटे की हत्या किसने की, लेकिन ऐसा लगता है कि इस हत्या को 3-4 लोगों ने अंजाम दिया है। मृतक युवक जगदेव सिंह कंबाइन

पर फोरमैन था। पीड़ित परिवार ने न्याय और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर गांव के रहने वाले मंजीत सिंह ने बताया कि मृतक का शव खून से लथपथ बिस्तर पर पड़ा हुआ था।

इसकी जानकारी मृतक की मां ने आकर उन्हें दी। इस मौके पर भादसों पुलिस चौकी प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतक युवक की मां के बयानों पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस हत्यारों की तलाश में जुट गई है। मृतक के शरीर पर तेजधार हथियार से वार के निशाना थे। पुलिस के मुताबिक युवक की हत्या तेजधार हथियार से की गई है। पुलिस जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा करेगी।

आवश्यकता पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24
के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

'जेल में बंद लोग वोट नहीं डाल सकते, लेकिन चुनाव लड़कर सांसद बन सकते, संविधान में..', वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने उठाया बड़ा सवाल

जालंधर(हिमांशु) : जेल में कैद उम्मीदवारों के सांसद बनने की प्रक्रिया में संसद से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि आपराधिक आरोपों वाले जन प्रतिनिधियों की तादाद लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि यह एक विडंबना है कि जेलों में बंद लोग वोट नहीं दे सकते, लेकिन चुनाव लड़ सकते हैं और जीत सकते हैं। संविधान निर्माताओं ने कभी नहीं सोचा होगा कि ऐसे लोग संसद के लिए चुने जाएँगे। आरोपों को निर्दिष्ट करने के लिए एक संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता है, जिसके अनुसार, उम्मीदवार चुनाव लड़ने से अयोग्य हो जाएँगे। विडंबना यह है कि जेल में बंद लोग वोट नहीं दे सकते, लेकिन चुनाव लड़ सकते हैं और जीत सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, एक संसदीय सीट 60 दिनों से अधिक समय तक खाली नहीं रह सकती, भले ही उन्होंने शपथ ली हो या नहीं। संसद को हस्तक्षेप करना चाहिए और ऐसे लोगों को निर्वाचित नहीं होने देना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ऐसे उम्मीदवारों को फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि जब तक वे हिरासत में रहते हैं, तब तक उनके निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं होता है और जिन मामलों में उन्हें अपनी सीट खाली करनी है, उन्हें हिरासत से बाहर आने तक फिर से चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि जेल में बिताए गए दिनों की संख्या के कारण निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व नहीं हो पाएगा। इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए कानून लाना समय की मांग है। कहीं न कहीं एक प्रावधान है, जो उन्हें किसी को अधिकृत करके अपना नामांकन दाखिल करने की अनुमति देता है, इस तरह से उन्होंने चुनाव लड़ा है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का जिक्र करते हुए, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता प्रशांत पद्मनाभन ने कहा कि, संविधान की खूबसूरती यह है कि यह उन लोगों की भी रक्षा करता है, जो

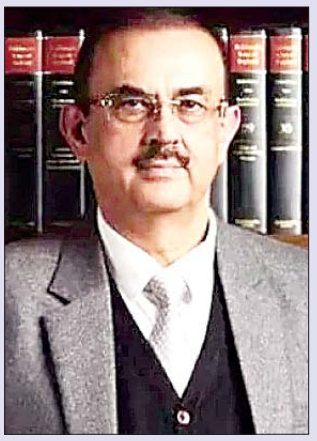

इसमें विश्वास भी नहीं करते हैं। पद्मनाभन ने कहा कि संसद में ऐसे मामलों से बचने का उपाय एक त्वरित सुनवाई है, जिसके परिणामस्वरूप जेल में कैद उम्मीदवारों को बरी या दोषी ठहराया जा सकता है। आरपी अधिनियम, 1951 की धारा 8 (3) के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया जाता है और 2 साल या उससे अधिक की कैद की सजा सुनाई जाती है, तो यह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्यता होगी।

मंगलवार को चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार, खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र में जीत हासिल की है, जबकि शेख अब्दुल राशिद, ने बारामुल्ला सीट जीती है। अमृतपाल सिंह को पिछले साल अप्रैल में पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जब वह पुलिस से बचकर भागे थे और उनके खिलाफ सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया गया था। उन्होंने खडूर साहिब लोकसभा सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को 1,97,120 मतों के बड़े अंतर से हराया।

वहीं, शेख राशिद ने बारामुल्ला सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला को हराया। उन्होंने 2,04,142 मतों के अंतर से जीत हासिल की और उन्हें 4,72,481 वोट मिले। राशिद 9 अगस्त, 2019 से कथित आतंकी वित्तपोषण के आरोप में तिहाड़ जेल में बंद हैं, जबकि सिंह पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया है।

संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य ने बताया कि जेल में बंद खालिस्तानी अलगाववादी और वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह और इंजीनियर अब्दुल राशिद, जिन्होंने लोकसभा चुनाव जीता है, अदालत की अनुमति से शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने और महत्वपूर्ण मतदान में हिस्सा लेने के लिए संसद आ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि, वे (जेल में बंद सांसद) संसद आ सकते हैं। पहली बात तो यह है कि अब उन्हें आकर शपथ लेनी होगी। अदालत और संबंधित अधिकारियों की अनुमति से वे बाहर आकर शपथ ले सकते हैं। पुलिस उन्हें संसद लेकर आएगी, जिसके बाद उन्हें संसद की सुरक्षा को सौंप दिया जाएगा। शपथ लेने के बाद उन्हें पुलिस के साथ वापस जेल भेज दिया जाएगा।

हाईवे के किनारे पलटी कार, खिड़की के कांच तोड़ते हुए बाहर गिरे युवक, तीन की मौत

जालंधर(काजल विज) : फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र में पंजाब के अमृतसर से कोलकाता जा रहे कार सवार तीन लोग सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसा शुक्रवार की दोपहर दो बजे ब्राम्हणपुर मोड़ के पास हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंदक में जा गिरी और फिर पलटते हुए खेत में जाकर रुकी।

हादसे में तीनों कार सवार छिटककर बाहर आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया है। पंजाब प्रांत के अमृतसर के मतेवाड़ा निवासी हरचरणप्रीत (50), जसवीर सिंह (45) और गुरप्रीत (35) ब्रेजा कार से अमृतसर से कोलकाता जाने के लिए निकले थे।

शुक्रवार की दोपहर दो बजे करीब वह खागा कोतवाली के ब्राम्हणपुर मोड़ के पास (कानपुर-प्रयागराज हाईवे) से गुजर रहे थे कि अचानक उनकी कार अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंदक में चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार बहुत तेज दी और वह हवा में उड़ते हुए नीचे गई और फिर पलटते हुए खेत में जाकर पलट गई।

खिड़की के कांच तोड़ते हुए बाहर गिरे युवक

हादसे के दौरान जब गाड़ी पलटी, तो तीनों कार सवार खिड़की के कांच तोड़ते हुए यहां-वहां जाकर गिरे। राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक तीनों की जान जा चुकी थी। सूचना पर इंस्पेक्टर क्राइम दिनेश चंद्र मिश्रा व महिचा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया और सीएचसी भेजा।

100 से अधिक थी कार की रफ्तार

पुलिस परिजनों से संपर्क का प्रयास कर रही थी। कार के अंदर से पुलिस को एक लाइसेंसी रिवाल्वर, एक तलवार, कृपाण मिले हैं। माना जा रहा है कि कार की रफ्तार 100 से अधिक थी, हादसे में कार के एयरबैग भी खुल गए थे। हादसे का कारण चालक को नींद आना माना जा रहा है।

गिद्दड़बाहा उपचुनाव को लेकर शिअद की तैयारियां शुरू, खुद मैदान में उतर सकते हैं सुखबीर बादल; दिए संकेत

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : लुधियाना से कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के सांसद बनने के बाद विधानसभा हलका गिद्दड़बाहा में उपचुनाव को लेकर शिअद ने तैयारियां शुरू कर की दी हैं।

गिद्दड़बाहा से खुद चुनाव लड़ने के सुखबीर ने संकेत भी दिए हैं। हालांकि इसकी सुखबीर ने घोषणा नहीं की परंतु बातों बातों में यह कह गए हैं कि गिद्दड़बाहा हमारा गढ़ रहा है।

गिद्दड़बाहा में करनी है फतेह : सुखबीर बादल

लंबी में जैसे लोकसभा चुनाव में लीड प्राप्त की। इसी तरह हमने गिद्दड़बाहा में भी फतेह हासिल करनी है। सुखबीर गांव बादल में लंबी हलके के लोगों तो धन्यवाद कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। बता दें कि स्व. बादल गिद्दड़बाहा से पांच व पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल चार बार गिद्दड़बाहा से विधायक रह चुके हैं।

परंतु पिछले तीन चुनाव में शिअद लगातार कांग्रेस के राजा वड़िंग से हारता आ रहा है। अब कांग्रेस के पास राजा वड़िंग के बाद कोई सशक्त नेता नहीं है। ऐसे में अगर सुखबीर स्वयं चुनाव मैदान में उतरते हैं तो यहां शिअद मजबूती के साथ चुनाव लड़ सकती है।

शिअद ही पंजाबियों की आकांक्षाओं को कर सकता है पूरा : सुखबीर

अपने संबोधन में राज्य में अकाली दल

की हार का जिक्र करते हुए सुखबीर ने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि हमारे राज्य में क्या सही है। अकाली दल पंजाब के अधिकारों के लिए हमेशा लड़ता रहेगा और मैं लोगों से अपनी क्षेत्रीय पार्टी को मजबूत करने की अपील करता हूं। एकमात्र अकाली दल ही पंजाबियों की आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। हमने उपचुनाव में गिद्दड़बाहा से जीत का परिचम लहराने के साथ साथ 2027 में भी अपनी क्षेत्रिय पार्टी को मजबूत करना है।

सुखबीर बादल ने, वक्कपर भी जमकर साधा निशाना

हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि किस तरह से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी ने उन्हें लोकसभा चुनाव में हराने के लिए आपस में मिलीभगत की और यहां तक कि भारतीय जनता पार्टी भी इसमें शामिल हो गई। दिल्ली स्थित पार्टियां अकाली दल को तबाह करना चाहती हैं क्योंकि वे राज्य के पानी को लूटना चाहती हैं और इसे राजधानी बनने से रोकना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि अकाली दल एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने का प्रयास करके किसानों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संसदीय चुनावों में आप पार्टी की करारी हार के साथ राज्य पर शासन करने का जनादेश खो दिया है। उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

पंजाब में 8 IPS समेत 9 पुलिस अधिकारियों का तबादला, जानिए किसे मिली कौन सी पोस्ट

जालंधर (संदीप मान) : पंजाब में लोकसभा चुनाव के खत्म होने के बाद मान सरकार द्वारा बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। शुक्रवार को पंजाब सरकार ने 8 IPS समेत 9 अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। तबादलों की सूची में जालंधर के पुलिस कमिश्नर राहुल एस समेत IPS कुलदीप चाहल के नाम शामिल हैं। पंजाब सरकार ने स्वप्न शर्मा को एक बार फिर से जालंधर का पुलिस कमिश्नर बनाया है। वहीं कुलदीप चाहल को दोबारा से लुधियाना का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है।

स्वपन शर्मा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

इस तबादले में पंजाब सरकार ने IPS अधिकारी स्वपन शर्मा पर एक बार फिर से विश्वास करते हुए उन्हें जालंधर का पुलिस कमिश्नर बनाया है। स्वपन शर्मा साल 2009 बैच के IPS अफसर हैं। उन्होंने बठिंडा के ज्ञानी जैल सिंह कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन की। इसके बाद साल 2008 में हिमाचल प्रदेश की प्रशासनिक सेवा की परीक्षा को क्रैक किया। इसके 9 महीने बाद उन्होंने नौकरी के साथ-साथ साल 2009 में UPSC एग्जाम को क्रैक किया।

जानिए किसे मिली कौन सी पोस्ट

इसके अलावा, लुधियाना के पुलिस कमिश्नर IPS नीलभ किशोर को साहिबजादा अजीत सिंह नगर के ADGP STF की पोस्ट पर नियुक्ति की गई है।

वहीं, जालंधर के पुलिस कमिश्नर राहुल एस को साहिबजादा अजीत सिंह नगर के विजिलेंस ब्यूरो का डायरेक्टर बनाया गया है। इसके अलावा, फिरोजपुर के DIG IPS रंजीत सिंह को गुरपीत सिंह भुल्लार की जगह पर अमृतसर का पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

जल्दी बनना था अमीर... मजदूरों ने मकान मालिक से खालिस्तान के नाम पर मांगी फिरौती; पुलिस ने धर दबोचे

जालंधर(संदीप मान) : खालिस्तान के नाम पर अपने मकान मालिक जिम्मीदार से छह लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले एक मजदूर को सीआईए स्टाफ वन की पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपित के दो साथी अभी फरार है, जिनकी तलाश की जा रही है।

अपने ही मालिक से रंगदारी मांगने की रची साजिश

गौरतलब है कि फिरौती मांगने वाला आरोपित शिकायतकर्ता के घर पर पिछले छह सालों से मजदूरी का काम करता था और जल्द अमीर बनने के चलते उसने घर में रंगाई का काम करने आए दो अन्य मजदूरों के साथ मिलकर अपने ही मालिक से रंगदारी मांगने की साजिश रची।

पहले उसने चिट्ठी भेजकर फिरौती मांगी और बाद में फोन कर पैसे देने की डिमांड की। वहीं पैसे ना देने की सूरत में उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपित के खिलाफ थाना फूल में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

धमकी भरा मिला पत्र

गुरुवार को प्रेसवार्ता कर एसएसपी दीपक पारीक ने बताया है कि बीती 20 मई को फूल थाना क्षेत्र में रहने वाले एक जमीदार व्यक्ति को धमकी भरा पत्र मिला, जिसमें पीड़ित से 6 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई और पैसे न देने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। चिट्ठी में खलिस्तान के साथ जुड़े होने की बात कहीं गई।

अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर मांगी फिरौती : पुलिस को दर्ज करवाए गए बयान में पीड़ित ने बताया था कि उक्त धमकी भरा चिट्ठी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके घर में काम करने वाले कर्म सिंह को दिया था। पीड़िता के मुताबिक 2 जून को किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर फिरौती मांगी और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता ने इस संबंध में फूल थाने में शिकायत दर्ज कराई। एसएसपी दीपक पारिक ने कहा है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना फूल पुलिस और सीआईए स्टाफ की अलग-अलग टीमें गठित की गईं और आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

पुलिस टीमों ने मामले की शुरू की जांच

इस ऑपरेशन का नेतृत्व एसपी इन्वेस्टिगेशन अजय गांधी, डीएसपी फूल प्रीतपाल सिंह और डीएसपी इन्वेस्टिगेशन राजेश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने विभिन्न पहलुओं पर मामले की जांच शुरू की। इस बीच तकनीकी पहलुओं पर गहनता से काम किया गया। पूरे मामले की जांच के बाद पता चला कि उक्त किसान से उसके घर पर काम करने वाले मजदूर कर्म सिंह ने ही फिरौती मांगी थी।

घर में पेंट करने आए मजदूरों के साथ मिलकर बनाया था प्लान

कर्म सिंह ने घर में पेंट का काम करने आए दो मजदूरों के साथ मिलकर फिरौती मांगने की योजना बनाई थी। जिसके बाद कर्म सिंह ने फिल्मी अंदाज में अपने मालिक को धमकी भरा पत्र दिया, जिस पर खालिस्तान जिंदाबाद लिखा था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक आरोपित कर्म सिंह पिछले छह-सात साल से पीड़ित मकान मालिक के घर पर काम कर रहा था। कुछ समय पहले उक्त किसान ने अपने घर की रंगाई-पुताई कराई थी। जिससे कर्म सिंह की दोनों मजदूरों से अच्छी जान-पहचान हो गई। तीनों लोगों ने जल्दी अमीर बनने का सपना देखा और फिरौती की योजना बनाई। एसएसपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपित कर्म सिंह को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य दो साथियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है, जिन्हें भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यूट्यूबर एल्विश यादव को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट से राहत, इस मामले में FIR हुई रद

जालंधर(जसवीर) : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर सागर ठाकुर पर कथित रूप से हमला करने और धमकी देने के लिए यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने शर्त रखी कि उनके साथी इंटरनेट मीडिया पर हिंसा और मादक द्रव्यों के सेवन को दर्शाने या बढ़ावा देने से परहेज करेंगे।

न्यायालय ने कुछ शर्तों के साथ FIR की खारिज

जस्टिस अनूप चितकारा ने कहा एफआईआर में दर्शाया गया है कि हिंसा का मकसद लोकप्रियता और सामग्री निर्माण को लेकर कुछ विवाद था, जिसमें एल्विश यादव और उनके साथियों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि भविष्य में इसी तरह की हिंसक हरकतें दोहराई न जाएं और यह कि आरोपित इस गलत धारणा में न रहें कि ऐसे मामलों को कानूनी व्यवस्था द्वारा हलके में लिया जाता है। यह न्यायालय कुछ शर्तों के साथ संबंधित एफआईआर को खारिज करता है।

कोर्ट ने की इस हिंसा की निंदा

कोर्ट ने कहा कि मीडिया में दिखाई जाने वाली हिंसा भले ही अच्छी या मनोरंजक लगे, लेकिन यह विभिन्न प्लेटफार्मों पर व्यापक दर्शकों को आकर्षित करती है जिससे सामाजिक धारणाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कोर्ट ने कहा कि समाज में हिंसा के इस तरह के वास्तविक उपयोग को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

मुस्लिम महिलाओं ने AAP के संजय सिंह और राघव चड्ढा की कार को घेरा

कहा - जो वादा किया था वो पैसे दो : कांग्रेस मुख्यालय के बाहर भी लगी थी लंबी कतार

जालंधर (काजल विज) : चुनाव जीतने के लिए कॉन्ग्रेस के नेतृत्व वाले I.N.D.I. गठबंधन ने बड़े-बड़े वादे किए थे और लालच दिया था, जो अब उसकी ही गले की फाँस बन रहे हैं। मुस्लिम महिलाओं ने विपक्षी दलों के इन नेताओं से रुपयों की माँग करते हुए अब हंगामा शुरू कर दिया है। अब AAP (आम आदमी पार्टी) के राज्यसभा सांसदों संजय सिंह और राघव चड्ढा के कार को घेर कर महिलाओं ने पैसों की माँग की है। विपक्षी दलों ने मुस्लिमों से 'खटाखट पोसे भेजने' का वादा किया था।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में संजय सिंह और राघव चड्ढा से महिलाओं ने चुनावी वादे के एक-एक लाख रुपए माँगे। इन महिलाओं का कहना था कि उन्हें जो खटाखट-खटाखट पैसे दिए जाने के वादे किए गए थे, अब वो पैसे कहाँ हैं? बता दें कि इस चुनाव में विपक्षी दलों ने जम कर मुफ्त रेवड़ियाँ बाँटने का लालच देने की योजना पर काम किया। कॉन्ग्रेस अपने ही घोषणा-पत्र और आम लोगों में बाँटे गए गारंटी कार्ड में फँस गई हैं। कॉन्ग्रेस दफ्तरों पर भी महिलाएँ पहुँच रही है।

असल में कॉन्ग्रेस ने इन महिलाओं से वादा किया था कि 5 जून, 2024 से ही महिलाओं के खाते में पैसे पहुँचने शुरू हो जाएँगे। संजय सिंह और राघव चड्ढा को घेर कर ये महिलाएँ कह रही थीं आप हमसे दुआ लेकर ही जाना। हालाँकि, इस दौरान दोनों ही नेता इन महिलाओं से बच कर निकलते हुए नज़र आए। कॉन्ग्रेस ने इन महिलाओं को हर साल एक लाख रुपए देने का वादा किया था। बेरोजगार युवाओं को भी नियमित वेतन देने का वादा किया गया था।

इससे पहले उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित कॉन्ग्रेस मुख्यालय के बाहर मुस्लिम महिलाओं की लंबी कतार लग गई थी। ये सभी 1 लाख रुपए की माँग कर रही थीं, साथ ही कह रही थीं कि उन्हें वित्तीय लाभ दिया जाए। मुस्लिम महिलाएँ अपना-अपना पहचान-पत्र समेत अन्य दस्तावेज लेकर कॉन्ग्रेस के दफ्तर पहुँची थीं। इन महिलाओं ने अपने हाथों में कॉन्ग्रेस का 'गारंटी कार्ड' भी थाम रखा था, जिसमें एक लाख रुपए के वेतन के अलावा हर शिक्षित युवा को पक्की नौकरी देने का वादा किया गया है। 'इस गारंटी कार्ड' में कर्जमाफी का भी वादा है। मुस्लिम महिलाओं ने इन कार्ड्स को भर भी रखा था।